

फर्द अहकाम

नियम 26

(2)

राज्य नं. 18/1988 संख्या 20/1988 मुकाम.....
 20/1988 वनाम.....
 नं. 1/1988 तारीख 30/3/88

रिमाजद 239
 हुसम या कायंवाही मय इनीशियल नं. 3.8.16
 नम्बर व तारीख फर्द अहकाम की हुसम की तारीख जारी द्वारा

13/88
 इमान यह शकाजी दलीला राम हुसम ने खेडा किया/ शरिल्ला की इमान होने पर कपी खेडा किया हुसम इतिवारी मया की नमकी लखन डाा की फा...
 27/5/88 का फर्द है।

471 - 2 1/88
 30

सिंहलोक (14)
 सिंहराज (16)
 सिंहराज (17)

27.5.99 वकील वादी इमान प्रतिमा नं. 14, 16, 17 हुसम उक्त हुसम। काना 2 सीर-म सां का हुसम हे चुका है। फावली नं. 17.6.99 के फर्द है।
 (ले)

श्रीमान 22/1988
 48-मान कर्ता
 4-उ फकाश (एडव)

6.99 वकील वादी उपवा. श्रीमान सी.एम. सां का हुसम हे चुका है। फावली दिनांक 23/7/99 के फर्द है। (ले)

23/7/99 वकील वादी उपवा. श्रीमान सी.एम. सां का हुसम हे चुका है। फावली दिनांक 23.8.99 के फर्द है। (ले)

23/8/99 वकील वादी डााज सांके बिक हुसम पर है। श्रीमान सी.एम. सां का हुसम हे चुका है। फावली दिनांक 27-10-99 के फर्द है। (ले)

नदी अन्ते से प्रतिवादी सं. 1, 2, 4, 6
11 ता 16 के विरुद्ध एकपक्षीय कार्रवाई
अमल में लार्ज जाती है। प्रतिवादी सं.
3, 9, 10 के सही पते पर ललकी बालने
वाक्य अधिसूचित किया। पत्रावली वाले
ललकी / गवाब प्रतिवादी सं. 5 ता 8
दिनांक 17.2.26 को पेश हो।

17/2/26 वकील उमरपस उपस्थित। वकील वार्ड
में प्रतिवादीगण को ललकी जरिमे अख्बार
स्थापित करने का निवेदन किया। अतः
ललकी जरिमे अख्बार साधा (राठरीय)
के अधिसूचित किये जाते हैं। बाद उक्त
अख्बार को उरि न्यायालय में पेश
करें। पत्रावली वाले ललकी दिनांक
29.4.26 को पेश हो।

14/2/26 पत्रावली पेश हुई। वकील उमरपस
उपस्थित। पत्रावली वाले ललकी दिनांक
8/5/26 को पेश हो।

08/5/26 पत्रावली पेश हुई। वकील उमरपस
उपस्थित। वकील वार्ड में प्रतिवादीगण
की तादीय हुकुम अख्बार स्थापित के कोष
किये गये। वकील वार्ड द्वारा अख्बार स्थापित
की प्रति प्रत्युत नदी की हो मत। पत्रावली
अपने अफटी अफटी पत्रों में जारी की
जाती है। पत्रावली वाले को अफटी
यादीय अफटी हो।